विषय : संस्कृत शषा और साहित्य

(SANSKRIT LANGUAGE & LITERATURE)

1. संस्कृत भाषा का उद्भव और विकास (भारतीय यूरोपीय से मध्य भारतीय आर्य भाषाओं तक) केवल सामान्य रूप रेखा।
2. साहित्य के इतिहास का साधारा ज्ञान साहित्य समीक्षा के प्रमुख सिद्धान्त। महाकाव्य नाटक, गद्य काव्य, गीतिकाव्य और संग्रह–ग्रंथ आदि साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।
3. प्राचीन भारतीय संस्कृति और दर्शन जिसमें वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार और प्रमुख दार्शनिक प्रवृत्तियों पर विशेष बल दिया जाए।
4. निम्नलिखित कृतियों का सामान्य अध्ययन
   - (क) काठोपनिषद्
   - (ख) भगवद्गीता
   - (ग) बुद्धचरितम (अश्वघोष)
   - (घ) स्वप्न बासवदत्तम्– (भाष)
   - (ड़) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)
   - (च) मेघदूतम् (कालिदास)
   - (छ) रघुवंशम् (कालिदास)
   - (ज) कुमारसंभवम् (कालिदास)
   - (झ) मृच्छकटिकम् (शुदक)
   - (ञ) किराताजुनीयम (भारवि)
   - (ट) शिशुपाल वधम् (माध)
   - (ठ) उत्तर रामचरितम् (भवभूति)
   - (ड) मुद्राराक्षस (विशाखा दत्त)
   - (ढ़) नेषधवरितम् (श्रीहर्ष)
   - (ण) राज तरंगिणी (कल्हण)
   - (त) नीतिशतकम् (भतृहरि)
   - (थ) कादम्बरी (वाणभट्ट)
   - (द) हर्षचरितम् (वाणभट्ट)
   - (ध) दशंकुमारचरितम (दण्डी)
   - (न) प्रबोध चन्द्रोदयम् (कृप्ले मिश्र)
5. **चुनी हुई निम्नलिखित पाठ्य सामग्री के मौलिक अध्ययन का प्रमाणः–पाठ्यग्रन्थ :** केवल इन्ही ग्रंथों से प्रश्न पूछे जायेंगे।
   1. कठोपनिषद् एक अध्याय – तृत्तीय बल्ली (श्लोक 10 से 15 तक)।

2. भगवद्गीता अध्याय 2 (श्लोक 13 से 25 तक)।
3. बुद्धचरित तृतीय सर्ग (श्लोक 1 से 10 तक)।
4. स्वप्न वासवदत्तम् (पृष्ठ अंक)।
5. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)।
6. मेघदूतम् (प्रारंभिक श्लोक 1 से 10 तक)।
7. किरंतार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)।
8. उत्तर रामचरितम् (तृतीय अंक)।
9. नीतिशतकम् (श्लोक 1 से 10 तक)।
10. कादम्बरी (शुकनासोपपेश)।
11. कौटिल्य अर्थशास्त्र – प्रथम अधिकरण, प्रथम प्रकरण–दूसरा अध्याय शीर्षक विधासमृददेसाह, तत्र अनविकसिकी स्थापना तथा सातवाँ प्रकरण–ग्यारहवाँ अध्याय शीर्षक गू धूरशेत्पतिप निर्धारित संस्करण और पी कांगल कौटिल्य अर्थशास्त्र भाग (1) एक आलोचनात्मक संस्करण मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली –1986)।

adda247